ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–३४
दिनांक– मंगलवार, ०४ मई, २०२१

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 34.3 एवं 21.5 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 75 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 46 प्रतिशत, हवा की औसत गति 5 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 6.2 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 8 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 27.1 एवं दोपहर में 37 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(04–09 मई, 2021)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 04–09 मई, 2021 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमानित अवधि मे आसमान में हल्के से मध्यम बादल छाए रह सकते है तथा इस अवधि मे उत्तर बिहार के अनेक स्थानों पर हल्की वर्षा हो सकती है। कुछ स्थानों पर मध्यम वर्षा भी हो सकती है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 34–37 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। जबकि न्यूनतम तापमान 21–23 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 70 से 80 प्रतिशत तथा दोपहर में 35 से 40 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 15–25 कि0मी0 की रफ्तार से पुर्वा हवा चलने की संभावना है। वर्षा के दौरान हवा की रफ्तार तेज हो सकती है।

• समसामयिक सुझाव

- पूर्वानुमानित अवधि मे वर्षा होने की संभावना को देखते हुए किसान भाईयों को कृषि कार्य में सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है। फिलहाल खड़ी फसलो में सिंचाई स्थगित रखें। कीटनाषकों का छिड़काव आसमान साफ रहने पर ही करें।
- ओल की फसल की रोपाई करें। रोपाई के लिए गजेन्द्र किस्म अनुशंसित है। ओल की कटे कन्द को ट्राइकोर्डमा भिरीडी दवा के 5.0 ग्राम प्रति लीटर गोबर के घोल में मिलाकर 20–25 मिनट तक डुबोकर रखने के बाद कन्द को निकालकर छाया में 10–15 मिनट तक सुखने दें उसके बाद उपचारित कन्द को लगायें ताकि मिट्टी जनित बीमारी लगने की संभावना को रोका जा सके तथा अच्छी उपज प्राप्त हो सके।
- भिण्डी की फसल को लीफ हॉपर कीट द्वारा काफी नुकसान होता है। यह कीट दिखने में सुक्ष्म होता है। इसके नवजात एवं व्यस्क दोनो पत्तियों पर चिपककर रस चुसते है। अधिकता की अवस्था मे पत्तियों पर छोटे–छोटे घब्बे उभर जाते है और पत्तियाँ पीली तथा पौधे कमजोर हो जाते है जिससे फलन प्रभावित होती है। इस कीट का प्रकोप दिखाई देने पर इमिडाक्लोप्रिड 0.5 मी0ली0 प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें। भिंडी फसल में माइट कीट की निगरानी करते रहे। प्रकोप दिखाई देने पर ईथियॉन / 1.5 से 2 मि0ली0 प्रति ली0 पानी की दर से छिड़काव आसमान साफ रहने पर ही करें। गरमा सब्जियों जैसे भिन्डी, नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा की फसल में निकाई–गुड़ाई करें।
- फलदार वृक्षों तथा वानिकी पौधों को लगाने के लिए अनुषंसित दूरी पर 1 मी0 व्यास के 1 मीटर गहरे गडढ़े बना कर छोड़ दें।
- किसान भाई हल्दी एवं अदरक की बुआई के लिए खेत की तैयारी कर सकते है । खेत की जुताई में प्रति हेक्टेयर 25 से 30 टन गोबर की सड़ी खाद डाले।

आज का अधिकतम तापमानः 29.2 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 7.4 डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः 21.4 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी